जेशन ने यहां पर आज दिल्ली में प्रधान मंत्री और वित्त मंत्री के घर पर आकर धरना देने की घोषणा की है और यदि इसके बाद भी इनकी आवाज नहीं सुनी जाएगी, तो यह ग्रामीण बैंकों के 75 हजार कर्मचारी 29 मार्च से राष्ट्रव्यापी हड़ताल करने वाले हैं।

मैं सरकार से कहना चाहता हूं कि अगर उनकी मांग में दम है और आपने अगर उसको स्वीकारा है, तो केवल यह जो रेड-टेपिज्म है और केवल सरकार द्वारा हमेशा विलम्ब से निर्णय लिये जाते हैं, उसके परिणामस्वरूप जो अनावश्यक आंदोलन होते हैं, उसके कारण हमारी आर्थिक रचना और व्यवस्था पर दुष्प्रभाव पड़ता है।

क्यों नहीं सरकार इन सारे मामलों को खुले मन से और तुरंत कार्यवाही करने के लिए आदेश देती? इस प्रकार के मामलों के अंदर सरकार को विलम्ब करने का कोई कारण नहीं है। जब आपने तय कर दिया है, तो उसको शुरू कर देना चाहिए। कर्मचारियों को आंदोलन की राह पर मत डालिये, अनावश्यक रूप से उनको इस बात के लिए मजबूर मत करिए।

मैं आपके माध्यम से सरकार से यही निवेदन करना चाहता हूं।

**श्री चतुरानन मिश्र (बिहार) :** मैं भी अपने को इनके साथ एसोसिएट करता हूं।

**उपसभाध्यक्ष (श्रीमती सुषमा स्वराज) :** जरूर करिए। आपका एसोसिएशन रिकार्ड होगा।

**श्री चतुरानन मिश्र :** बहुत दिनों से यह मामला लंबित है और अभी जब ग्रामीण क्षेत्र में हम लोग विकास की ज्यादा बात करने लगे हैं इस बजट के बाद, तब तो बैंक का रोल और भी बहुत बड़ा हो गया है। उसको सुचारू रूप से चलाने के लिए यह जरूरी है कि उसके कर्मचारियों का सहयोग प्राप्त किया जाए और रोज-रोज टकराव करके सरकार कार्य इसे कर नहीं सकती है। इसलिए कोई अविलम्ब समाधान निकाला जाए। मैं पूर्णतया इसका समर्थन करता हूं।

**Need to reconstruct Asia's biggest snake park at Kannur district in Kerala which was burnt down due to political rivalry.**

SHRI O. RAJAGOPAL (Madhya i-radesh): Mladam Vice-Chairman, I would like to invite the attention of the Goverment through this House to certain things that have happened in Kerala in Kannur district last month. There is a 'famous snake piark in Kannur district called Parasinikka-davu. Unfortunately, that is no more. It has now become a mound of ashes only. A large number of rare snakes were there; a large number of rare birds were there and a large number of animals were there. This snake park was supposed to be one of the best snake parks in the entire Asia. Unfortunately, the snake park has been burnt down because of political enmity. There is a cooperative hospital in Kannur and there was a dispute going on between two factions of the Communist party—CPI (M). In the name of A. K. Gopalan, a hospital was there. The control of the hospital was obtained by the Marxists when they were in power Now, the Congress Front is ruling in Kapala. One of the factions which went out of Marxist Communist Party—CMP—has now acquired control of the snake park and the AKG hospital. Now, the Marxist party workers wanted to wreak vengeance pga-ir,st the CMP people, who were controlling the snake park for some time. Since they lost the election, because of political vendetta for getting control of the hospital, they wan-t(»d to wreak vengeance and abooit 80 Marxist party workers went and burnt the whole institution in which

[Shri O. Rajagopal]

these rare snakes, rare birds and rare animals were there. Some of them were burnt down while others were beaten to death. This unfortunate incident has taken place. *(Interruptions)* Others were beaten to death. This unfortunate event has taken place...

SHRI CHATURANAN MISHRA (Bihar): Madam, I am on a point of order.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI SUSHMA SWARAJ): There is a point of order. (Interruptions) ... He is on a point o'f order.

**श्री चतुरानन मिश्र :** यह मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी का नाम ले करके, बिना कार्यकर्ताओं का नाम लिए हुए कि कौन 80 आदमी हैं, उन पर यह अभियोग लगा रहे हैं, यह तो कोई हमारे तरीका नहीं था।

**उपसभाध्यक्ष (श्रीमती सुषमा स्वराज) :** नहीं, वह तो यह कह रहे हैं कि उनका शासन था। यह उन्होंने कहा।

**श्री चतुरानन मिश्र :** नहीं-नहीं। शासन था जिस वक्त वह था। अभी आग लगाने वालों में इन्होंने कहा कि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के लोग हैं और 80 आदमियों ने किया था तो वह नाम दें। . . . (**व्यवधान**)

**उपसभाध्यक्ष (श्रीमती सुषमा स्वराज) :** नाम तो यह दे ही नहीं सकते, मिश्रा जी, आप जानते हैं। आप इतने सीनियर मैंबर हैं। . . . . (**व्यवधान**)

**श्री चतुरानन मिश्र :** यह सुनिए, किसी पार्टी का इस ढंग का नाम लगा करके यह करना यह सर्वथा . . . (**व्यवधान**)

**उपसभाध्यक्ष (श्रीमती सुषमा स्वराज) :** देअर इज़ नो प्वायंट आफ आर्डर। . . . . (**व्यवधान**) उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया।

**श्री चतुरानन मिश्र :** नहीं-नहीं, आप नाम, अगर आप यह कह रहे हैं कि 80 आदमी. . . . (**व्यवधान**)

**उपसभाध्यक्ष (श्रीमती सुषमा स्वराज) :** नाम तो आप ले ही नहीं सकते हैं इस सदन में। . . . (**व्यवधान**)

**श्री चतुरानन मिश्र :** एक पार्टी का नाम ले करके आप चाहें. . . . (**व्यवधान**)

**उपसभाध्यक्ष (श्रीमती सुषमा स्वराज) :** देअर इज़ नो प्वायंट आफ आर्डर इन दिस।

**श्री चतुरानन मिश्र :** नहीं, यह तो क्लीयरली चार्ज लगा रहे हैं उस पार्टी पर।

**उपसभाध्यक्ष (श्रीमती सुषमा स्वराज) :** हां, तो ठीक है, तो उस आरोप का आप खंडन कर सकते हैं।

**श्री चतुरानन मिश्र :** यह तो तरीका नहीं रहा है। . . . . (**व्यवधान**)

SHRI V. HANUMANTHA RAO (Andhra Pradesh): Madam, the state, ment given by my hon. colleague is not correct. We can go on staying the Advani-cliques or Murli Manohar Joshi....

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI SUSHMA SWARAJ): If you want to contradict it, you can contradict it. There is no point of order. ...(Interruptions)... Mr. Hanumantha Rao, please sit down. ... *(Interruptions)* .., Mr. Rao, please sit down. Next is yours.

SHRI O. RAJAGOPAL: Miadam, I am speaking on the basis of reports published in esteemed dailies like *The Indian Express, The Hindustan Times, The* Hindu.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI SUSHMA SWARAJ): You please continue and try to conclude.

**श्री चतुरानन मिश्र**: पार्टी का नाम आपने लिया आग लगाने में और इसका यह करने में, आप चार्ज लगा रहे हैं, जबकि मैटर वहां इन्क्वायरी में है।

**उपसभाध्यक्ष (श्रीमती सुषमा स्वराज)**: मिश्रा जी, आप उसका खंडन करना चाहें तो कर दें। यह कोई व्यवस्था का प्रश्न नहीं है।

**श्री चतुरानन मिश्र**: मैटर वहां इन्क्वायरी में है। . . . (**व्यवधान**) तब इन्होंने इसको यह कहा है। वह कुछ जाने भी तो इस तरह से. . . . (**व्यवधान**)

**उपसभाध्यक्ष (श्रीमती सुषमा स्वराज)**: ठीक है। वह कुछ समाचार-पत्रों के आधार पर बोले हैं।

**एक माननीय सदस्य**: यह यहां उठाना उचित है?

**उपसभाध्यक्ष (श्रीमती सुषमा स्वराज)**: आप बैठिए। इनको चेयरमैन ने अनुमति दी है। . . . . (**व्यवधान**)

SHRI V. HANUMANTHA RAO: How can it come under the purview of the Central Government? . . . (In-*terruptions)* . . .

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI SUSHMA SWARAJ): The Chairman has permitted him to raise this issue. I cannot ask him not to raise it? Please sit down. Mr. Rajagopal, please try to conclude.

SHRI O. RAJAGOPAL: Twenty-one Communist Party (Marxist) workers have been arrested and fifty seven Communist Party (Marxist) workers were sought to be arrested by the police. They are not available. This is the report of *The Hindu.* This is not a newspaper of the BJP; that is why I am saying.

Therefore, Madam, I would like to stress that this is a very important matter. A great and prestigious institution has been completely destroyed because of political enmity. So there should be an effort to see that such an institution is reinstated and rehabilitated. The State Government is not in a position to spsnd more money because 99 per cent of the entire Kerala Budget is spant on paying salaries, pension and interest and, therefore, there is need for the Central Government to give handsome aid so that this institution can be rehabilitated. This is my demand.

SHRI VISHNU KANT SHASTRI (Uttar Pradesh): Madam, I associate myself with his Special Mention.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI SUSHMA SWARAJ): Your association will be recorded.

DR. JINENDRA KUMAR JAIN ( Madhya Pradesh): Madam, I also want to associate myself with this because there is one more dimension to this issue.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI SUSHMA SWARAJ): What is that?

DR. JINENDRA KUMAR JAIN: Madam, we believe in Ahimsa and *Ahimsa* does not demand of us only to have the concern of citizens, but also of the *pashu* and *pakhshi,* birds and snakes because they are also an integral part of India and their protection is also. . .

**उपसभाध्यक्ष (श्रीमती सुषमा स्वराज)**: ठीक है, आपकी बात रिकार्ड कर ली गई है।